तुलसी आरती गीत

तुलसी आरती गीत

जय जय तुलसी माता, मैय्या जय तुलसी माता ।
सब जग की सुख दाता, सबकी वर माता।।
मैय्या जय तुलसी माता।।

सब योगों से ऊपर, सब रोगों से ऊपर।
रज से रक्ष करके, सबकी भव त्राता।
मैय्या जय तुलसी माता।।
बटु पुत्री है श्यामा, सूर बल्ली है ग्राम्या।
विष्णुप्रिय जो नर तुमको सेवेि य जो नर तुमको सेवे, सो नर तर जाता।
मैय्या जय तुलसी माता।।
हरि केशीश विराजत
राजत, त्रिभुवन से हो वंदित।त।
पतित जनों की तारिणीणी, तुम हो विख्याता।ख्याता।
मैय्या जय तुलसी माता।।
लेकर जन्म विजन मेंजन में, आई दिव्य भवन में।व्य भवन में।
मानव लोक तुम्हीं से, सुख-संपति पाता।
पाता।
मैय्या जय तुलसी माता।।
हरि को तुम अति प्यारी
प्यारी, श्याम वर्ण सुकुमारी।ण सुकुमारी।
प्रेम अजब है उनकाेम अजब है उनका, तुमसे कैसा नाता।
हमारी विपद हरो तुमपद हरो तुम, कृपा करो माता।
मैय्या जय तुलसी माता।।
जय जय तुलसी माता, मैय्या जय तुलसी माता।
सब जग की सुख दाता, सबकी वर माता।।

मैय्या जय तुलसी माता।।